

झीलों की नगरी नैनीताल का 182वां जन्मदविस

चर्चा में क्यों?

18 नवंबर, 2023 को उत्तराखंड की पर्यटन नगरी एवं झीलों की नगरी नैनीताल का 182वां जन्मदविस मनाया गया।

प्रमुख बदि

- वदिति हो की 18 नवंबर, 1841 को नैनीताल पहुंचे अंगरेज व्यापारी पी बैरन ने यहाँ की सौंदर्य से प्रभावति होकर इसे दुनिया की नजरों में लाया। अंगरेज व्यापारी के आगमन की तारीख को ही नैनीताल के जन्मदनि के रूप में याद कथिा जाता है।
- उल्लेखनीय है की 1842 में चौथे कुमाऊं कमश्नर जार्ज थॉमस लुसगिटन ने आधिकारकि रूप से नैनीताल को यूरोपयिन सेटेलमेंट के तहत बसाया था। इसके बाद अंगरेजों ने इसे छोटी वलायत का दर्जा देते हुए गरीषमकालीन राजधानी बनाया।
- पर्यटन नगरी नैनीताल प्राकृतकि सौंदर्य के साथ ही सांप्रदायकि सौहारदर का भी संदेश देती है। नैनीताल के नैनी झील के उत्तरी कनारे पर 51 शक्तिपीठों में से एक मां नयना देवी मंदिर स्थति है। साथ ही यहाँ गुरुद्वारा, एशिया का पहला मेथोडिस्ट चर्च और जामा मस्जदि भी स्थति है।
- अनर्यितरति और अनर्योजति वकिस के कारण नैनीताल की खूबसूरती और पर्यावरण पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है। बढ़ते कंक्रीट के जंगल पर रोक लगाने, यातायात के दबाव को कम करने, भूस्खलन प्रभावति क्षेत्रों के लोगों को जागरूक करने और प्रकृति से छेड़छाड़ पर रोक लगाने के लयि कठोर कदम उठाने की आवश्यकता है।



PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/182nd-birthday-of-the-city-of-lakes-nainital>

